

वक्त की विडम्बना "कोरोना एक वैश्विक महामारी"

Irony of Time "Corona A Global Pandemic"

Paper Submission: 15/07/2020, Date of Acceptance: 25/07/2020, Date of Publication: 26/07/2020



कुसुम शर्मा
छात्रा
शिक्षा विभाग,
दयालबाग एजुकेशनल
इंस्टीट्यूट, आगरा, भारत

सारांश

व्यक्ति का मन हमेशा किसी न किसी विचार में खोया ही रहता है, इसी विचार श्रंखला के चलते लेखिका के मन में कुछ गंभीर विचारों का उदय हुआ और लोकडाउन के दौरान अपने विचारों को शब्दों में पिरो दिया। इस लेख के माध्यम से केवल यही बताना लेखिका का उद्देश्य है की पल भर में जीवन कितना बदल सकता है और व्यक्ति को कितना मजबूर होना पड़ सकता है वक्त के आगे। यह वक्त की विडम्बना ही है कि वक्त कितना बलवान है जो पल भर में किसी छोटी सी वस्तु को इतना ताकतवर बना सकती है की वो पूरे संसार को हिला कर रख सकती है, जिस तरह से एक चींटी, हाथी पर भारी पड़ सकती है ठीक उसी प्रकार एक छोटा सा वाइरस इस संसार पर कितना हानिकारक और खतरनाक पड़ सकता है।

A person's mind is always lost in some thought, due to this thought series, some serious thoughts emerged in the writer's mind and put his thoughts into words during the lockdown. Through this article, the purpose of the writer is to tell only how much life can change in a moment and how much a person may be forced to do ahead of time. It is only a matter of time that time is so powerful that in a moment it can make a small object so powerful that it can shake the whole world, just as an ant can be heavy on an elephant. Type A small virus can be so harmful and dangerous on this world.

मुख्य शब्द :आत्म निर्भरता, वक्त की महत्वता, सुरक्षा, सहयोग ।

Self-reliance, importance of time, security, cooperation.

प्रस्तावना

इस संसार में उस ईश्वर की मर्जी के बिना कुछ भी संभव नहीं है, फिर ये क्या? चारो तरफ हाहाकार कैसा ? ये दुनिया में क्या हुआ एक दम ? कहा से आई है ये आपदा? कहाँ से आई है ये बीमारी ? जिसका नाम है – COVID-19. शायद यह प्रकृति का कोई प्रकोप ही था या ईश्वर परीक्षा ले रहे थे।

एक देश जिसका नाम हर व्यक्ति की जुबान पर रहता था, अचानक क्या हुआ? जो लोग सिर्फ उस देश की बनी हर वस्तु को पसंद करते थे, धिक्कारने लगे उसे। जिसका नाम है चीन एक ऐसी बीमारी जिसने पूरे देश में कोहराम मचा दिया, इसका जन्म हुआ चीन के वुहान, शहर में जो न जाने कितने लोगो को निगल गई और न जाने कितनो को सता रही है। दुनिया के बड़े-बड़े देशों में जिनका नाम था सभी इस बीमारी की चपेट में आ गये ,लाखों की संख्या में जनहानि हुई। बच्चे, बूढ़े और नौजवान सभी मृत्यु के गाल में समां गए। सभी देशों की चिकित्सा प्रणाली शिथिल पड़ने लगी और विषय गंभीरता की ओर बढ़ने लगा।

महामारी का प्रकोप

सभी विकसित देशों के राजा अपनी प्रजा की रक्षा करने में कमजोर पड़ने लगे, उस वक्त के हालात पतन की ओर इशारा करने लगे कि अब न जाने क्या होने वाला है? धीरे-धीरे यह हवा भारत की ओर बढ़ रही थी ,कि तभी भारत के प्रधानमंत्री माननीय श्री नरेन्द्र मोदी जी को आभास होने लगा कि यह हवा उनके देश को एक गंभीर समस्या की ओर ले जा सकती है और उन्होंने त्वत निर्णय लिया।

२२ मार्च सन २०२० सम्पूर्ण देश में जनता कर्फ्यू की घोषणा। सभी देशवासियों ने इसका पूर्ण अनुशासन के साथ पालन किया ओर अपने प्रधानमंत्री के आदेश का सम्मान किया। इसका तहे दिल से श्री मोदी जी ने धन्यवाद भी

दिया। फिर एक महत्वपूर्ण निर्णय लिया गया जो पूर्ण रूप से देश के हित में था, सम्पूर्ण देश में 29 दिन का बंद। अपने देश को इस महामारी से बचने के लिए यह अत्यंत आवश्यक निर्णय था। अपनी समझ और सूझ के बल पर श्री मोदी जी का यह निर्णय एकदम सही था।

वक्त की नजाकत को देखते हुए यह करना अत्यावश्यक था। देश की स्थिति अभी शुरुआती दौर पर थी। अतः कोविड -19 से ग्रसित या संक्रमित लोगों की संख्या अभी न के समान ही थी, परन्तु देश के बाहर विदेशों में यह स्थिति जोर पकड़ चुकी थी। इस प्रकार जो भारतीय विदेशों में रह रहे थे या जो अपने किसी आवश्यक कार्य को संपन्न करने गए थे, वे अब भारत लौटने के लिए तत्पर होने लगे। और इस बीमारी का संक्रमण चारों ओर फैल रहा था, तेज होने लगा। बाहर देश से आने वाले लोगों से यह और अधिक तेजी से फैलने लगा, अतः भारत की चिकित्सा प्रणाली ने इसका डटकर सामना किया। सभी डॉक्टर और कर्मचारी अपनी कुशल भूमिका निभाने में अपना संपूर्ण योगदान दे रहे थे।

सच्चे योद्धा

प्रशासन ने भी कमर कस ली थी और पुलिस के सभी अधिकारी एवं सहकर्मी अपना योगदान देश की सेवा में दे रहे थे। रोगियों का इलाज करते करते अनेक डॉक्टर इस बीमारी की चपेट में आने लगे और कितने तो शहीद भी हो गए यह बड़े ही दुःख का विषय था। परन्तु हिम्मत नहीं हारी, देश को बचाने का हर भरसक प्रयास किया जाने लगा। देश को बचाने में देश के नौजवानों की भी अहम् भूमिका थी। प्रत्येक राज्य की प्रशासन व्यवस्था को और अधिक मजबूत बनाया गया। माननीय प्रधानमंत्री जी की आज्ञा का सभी ने पालन किया और देश का सच्चा नागरिक होने का कर्तव्य निभाया।

विशेष निर्णय

हमारा भारत देश सदैव से ही सोने की चिड़िया कहलाया है और हमेशा रहेगा। इसी आशा के साथ देश में अनुशासन के साथ लॉकडाउन का पालन किया जा रहा था क्योंकि श्रृंखला को तोड़ना आवश्यक था। अत्यंत प्रयासों के बावजूद यह बीमारी फैल रही थी, इसमें कुछ विशेष समुदाय के लोगों का हाथ था जो समस्या को और गंभीर बना रहे थे। देशवासियों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए प्रधानमंत्री जी ने एक और निर्णय लिया देश में लॉकडाउन को 3 मई 2020 तक और आगे बढ़ाने का फैसला लिया।

परन्तु देश की आर्थिक स्थिति को देखते हुए कुछ राज्यों में छूट दी गई जहाँ पर पूरी तरह से कोविड -19 पर काबू पा लिया गया था। देश में सभी के मन में भय की स्थिति पैदा होने लगी थी और लोग घरों से निकलने में डरने लगे थे कि न जाने यह बीमारी कब खत्म होगी। बस अब एक ईश्वर का ही सहारा था क्योंकि अभी इस बीमारी की कोई दवाई नहीं बनी थी। परन्तु कार्य प्रगति पर था। इसी आशा के साथ की सब कुछ जल्दी ही ठीक हो जाए सब प्रार्थना कर रहे थे।

समय बीतता गया और बीमारी का प्रकोप बढ़ता जा रहा था लोगों को अपनी चपेट में लेता जा रहा था सभी अपनी जान बचाने में लगे थे। लेकिन बीमारी थमने

का नाम नहीं ले रही थी, इतने लम्बे समय के लॉकडाउन के बाद भी हालात संभल नहीं रहे थे, तब एक बार फिर से लॉकडाउन 4.0 की घोषणा की गई माननीय प्रधानमंत्री के द्वारा। यह सब केवल देश की जनता को बचाने का प्रयास था। 31 मई तक देश एक बार फिर से थम गया और सब कुछ वैसे ही चलने लगा, परन्तु इस बार प्रवासी नागरिकों को अपने घर भेजने का एक महत्वपूर्ण फैसला सरकार को लेना पड़ा। कुछ लोग तो पदयात्रा करने के लिए मजबूर होने लगे तब सरकार ने परिवहन सेवा की पुनः शुरुआत की।

सभी राज्यों की सरकारों ने अपने-अपने राज्यों के मजदूर नागरिकों को कुशलता के साथ वापस उनके घर लाने में अहम् भूमिका निभाई। शुरुआत तो वुहान से हुई लेकिन देश के एक कमजोर वर्ग को इसका सामना करना पड़ा, मध्यम वर्ग भी इससे अछूता नहीं था सबके व्यापार एवं रोजगार बंद होने के कारण देश आर्थिक मंदी की ओर चला गया, हमारी दुनिया एकदम बदल गई। जहाँ पूरे देश की तालाबंदी कर दी गई, वही इटली में लोग इतनी बड़ी तादात में मरने लगे की वहाँ दूसरे विश्व युद्ध के बाद से पहली बार लोगों की आवाजाही पर इतनी सख्त पाबन्दी लगानी पड़ी, क्योंकि इटली का हाल बहुत भयावह स्थिति पर था।

लोग अपने घरों में बंद हैं, दुनिया भर में उड़ाने रद्द चल रही थीं और बहुत से सम्बन्ध सोशल डिस्टेंसिंग का शिकार होने लगे थे। ये सारे कदम इसलिए उठाए जा रहे थे, ताकि नए कोरोना वायरस के संक्रमण को फैलने से रोका जा सके और इससे बढ़ती मौतों के सिलसिले को थामा जा सके।

प्रदूषण के कारण इसी बीच कुछ ऐसा हुआ जो सबके लिए लाभदायक था "प्रदूषण में भारी मात्रा में कमी "Lockdown की वजह से वाहनों की आवाजाही पर रोक के कारण हवा स्वच्छ होने लगी थी, नदियों में जल स्वच्छ एवं निर्मल होने लगा था, क्योंकि फैक्ट्री एवं कल कारखाने बंद पड़े थे। ये एक अच्छी खबर थी कि वातावरण स्वच्छ हो रहा है। समय बीत रहा था अब हर व्यक्ति अपने आप की सुरक्षा करने के साधनों को जुटाने में लगा था और अपने आप को कोरोना से लड़ने के लिए तैयार कर रहा था।

महत्वपूर्ण समय

लॉकडाउन रहने से कोरोना वायरस के मरीजों में गिरावट आएगी और संक्रमण फैलने का खतरा कम होगा। हमारी रोजमर्रा की जिंदगी की चीजों में कमी न हो इसलिए किराने की चीजें, फल, सब्जी, दवाइयां बाजार में उपलब्ध थीं। लॉकडाउन से बड़े-बड़े कारखानों और वाहनों का चलना निषेध हो गया था। इससे एक अच्छी चीज हुई थी, जो थी प्रदूषण की कमी। कल-कारखाने का कचरा बाहर जल में प्रवाहित कर दिया जाता था। वायु, ध्वनि और जल प्रदूषण में गिरावट आई थी, जो प्रकृति की दृष्टि से लाभदायक था।

लॉकडाउन से पहले के समय की बात करें तो उस वक्त हम सभी अपने रोजमर्रा के कामों में इतना व्यस्त रहते थे कि अपनों के लिए, अपने परिवार के लिए व बच्चों के लिए कभी समय ही नहीं निकाल पाते थे और

सभी की सिर्फ यही शिकायत रहती थी कि आज की दिनचर्या को देखते हुए समय किसके पास है? लेकिन लॉकडाउन से ये सारी शिकायतें खत्म हो गई थी। इस दौरान अपने परिवार के साथ बिताने के लिए लोगों को बेहतरीन पल मिले थे। कई प्यारी-प्यारी यादें इस दौरान लोग सहेज रहे थे, अपने घर के बुजुर्गों के साथ समय बिता रहे थे और रिश्तों में आई कड़वाहट को मिटा रहे थे।

रिश्तों में प्रेम एवं मनोरंजन

लॉकडाउन के दौरान बच्चों को अपने माता-पिता के साथ समय बिताने का मौका मिल रहा था, वहीं जो लोग खाना बनाने के शौकीन हैं, वो यूट्यूब के माध्यम से खाना बनाना भी सीख रहे थे। पुराने सीरियलों का दौर वापस आ गया था जिसका मजा लोग अपने पूरे परिवार के साथ बैठकर ले रहे थे और अपनी पुरानी यादों को वापस से जी रहे थे। बच्चों के साथ वीडियो गेम्स, कैरम जैसे गृहखेल का बड़ों ने आनंद लिया। विद्यालयों में छुट्टी होने के कारण घर बैठकर शिक्षकों ने ऑनलाइन क्लासेज का सहारा लिया ताकि विद्यार्थियों की शिक्षा में कोई रुकावट न आए।

लॉकडाउन के समय लोग अपने शौक को भी पूरा कर रहे थे, क्योंकि उनको इसके लिए अपनी खुद की दबी इच्छाओं को पूरा करने का समय मिला था। जो लोग डांस सीखने के शौकीन थे और समय की कमी के कारण नृत्य कला को कहीं-न-कहीं खुद से दूर कर रहे थे, आज वे अपने इस हुनर को निखार रहे थे। जिन्हें म्यूजिक का शौक था, वो म्यूजिक सीख रहे थे, पेंटिंग सीख रहे थे। ऐसे कई शौक लॉकडाउन के दौरान वापस से जी रहे थे।

उत्तरदायित्व की भावना

लॉकडाउन के रहने से कोरोना वायरस, जिससे पूरा विश्व परेशान था, से छुटकारा पाया जा सकता है इसलिए यह हम सभी के लिए बहुत जरूरी था। हमारा काम सिर्फ इतना है कि हमें इसका पालन पूरी ईमानदारी के साथ करना था।

लॉकडाउन के दुष्प्रभाव

लॉकडाउन की वजह से मजदूरों को बहुत नुकसान हुआ है, जो रोजमर्रा के काम से अपने घर का पेट पालते थे। आज उनके लिए एक वक्त की रोटी भी बहुत मुश्किल हो गई। कई मजदूर ऐसे हैं, जो भूखे पेट ही सो रहे थे। अगर लॉकडाउन का सबसे ज्यादा नुकसान किसी को हुआ है तो वह है मजदूर, जो अपने परिवार का पेट पालने के लिए दिन-रात मेहनत करते हैं।

आर्थिक संकट का समय

लॉकडाउन की वजह से देश की अर्थव्यवस्था को गंभीर नुकसान हुआ है। कारखानों को बंद रखने के कारण भारी नुकसान वहन करना पड़ रहा है, वहीं व्यापार भी पूरी तरह से ठप पड़ा हुआ है। लोगों की नौकरियां चली गई थीं। जिसकी वजह से बेरोजगारी की समस्या भी उत्पन्न हो गई थी। लॉकडाउन की वजह से देश आर्थिक रूप से कमजोर पड़ रहा था।

नकारात्मक सोच का विकास

दिन-रात सिर्फ कोरोना से संबंधित खबरें लोगों को मानसिक रूप से परेशान कर रही थी, जो उन्हें नकारात्मक सोच कर रही थीं। पूरे दिन घर पर रहने और शारीरिक व्यायाम न होने से लोग खुद को स्वस्थ भी महसूस नहीं कर पा रहे थे। बच्चे भी पूरे दिन घर पर रहकर चिड़चिड़ापन महसूस करने लगे हैं, क्योंकि वे बाहर खेलने हेतु अपने दोस्तों के साथ मिलने में असमर्थ थे। कोरोना वायरस की खबरें लोगों को परेशान कर रही थे जिससे कई लोग डिप्रेशन जैसी समस्या से भी जूझ रहे थे।

कोरोना वायरस है क्या ?

कोरोना वायरस (सीओवी) का संबंध वायरस के ऐसे परिवार से है जिसके संक्रमण से जुकाम से लेकर सांस लेने में तकलीफ जैसी समस्या हो सकती है। इसके संक्रमण के फलस्वरूप बुखार, जुकाम, सांस लेने में तकलीफ, नाक बहना और गले में खराश जैसी समस्याएं उत्पन्न होती हैं। यह वायरस एक व्यक्ति से दूसरे व्यक्ति में फैलता है।

कोविड-19 बीमारी के लक्षण

कोरोना वायरस में पहले बुखार होता है। इसके बाद सूखी खांसी होती है और फिर एक हफ्ते बाद सांस लेने में परेशानी होने लगती है।

इन लक्षणों का हमेशा मतलब यह नहीं है कि आपको कोरोना वायरस का संक्रमण है। कोरोना वायरस के गंभीर मामलों में निमोनिया, सांस लेने में बहुत ज्यादा परेशानी, किडनी फेल होना और यहां तक कि मौत भी हो सकती है। बुजुर्ग या जिन लोगों को पहले से अस्थमा, मधुमेह या हार्ट की बीमारी है उनके मामले में खतरा गंभीर हो सकता है। जुकाम और फ्लू में के वायरसों में भी इसी तरह के लक्षण पाए जाते हैं।

कोरोना वायरस का संक्रमण हो जाए तब क्या करना चाहिए?

1. इस समय कोरोना वायरस का कोई इलाज नहीं है लेकिन इसमें बीमारी के लक्षण कम होने वाली दवाइयां दी जा सकती हैं।
2. जब तक आप ठीक न हो जाएं, तब तक आप दूसरों से अलग रहें।
3. कोरोना वायरस के इलाज के लिए वैक्सीन विकसित करने पर काम चल रहा है।
4. इस साल के अंत तक इंसानों पर इसका परीक्षण कर लिया जाएगा।
5. कुछ अस्पताल एंटीवायरल दवा का भी परीक्षण कर रहे हैं।

क्या हैं इससे बचाव के उपाय?

1. स्वास्थ्य मंत्रालय ने कोरोना वायरस से बचने के लिए दिशा-निर्देश जारी किए हैं।
2. इनके मुताबिक हाथों को साबुन से धोना चाहिए।
3. एल्कोहल आधारित हैंड रब का इस्तेमाल भी किया जा सकता है।
4. खांसते और छीकते समय नाक और मुंह रुमाल या टिश्यू पेपर से ढंककर रखें।

5. जिन व्यक्तियों में कोल्ड और फ्लू के लक्षण हों, उनसे दूरी बनाकर रखें।
6. अंडे और मांस के सेवन से बचें।
7. जंगली जानवरों के संपर्क में आने से बचें।
8. अगर आप स्वस्थ हैं तो आपको मास्क की जरूरत नहीं है।
9. अगर आप किसी कोरोना वायरस से संक्रमित की देखभाल कर रहे हैं, तो आपको मास्क पहनना होगा। जिन लोगों को बुखार, कफ या सांस में तकलीफ की शिकायत है, उन्हें मास्क पहनना चाहिए और तुरंत डॉक्टर के पास जाना चाहिए।

मास्क पहनने का तरीका

1. मास्क पर सामने से हाथ नहीं लगाना चाहिए।
2. अगर हाथ लग जाए तो तुरंत हाथ धोना चाहिए।
3. मास्क को ऐसे पहनना चाहिए कि आपकी नाक, मुंह और दाढ़ी का हिस्सा उससे ढंका रहे।
4. हर रोज मास्क बदल दिया जाना चाहिए।

कोरोना का खतरा कम किया जा सकता है –

1. कोरोना से मिलते-जुलते वायरस खांसी और छींक से गिरने वाली बूंदों के जरिए फैलते हैं।
2. अपने हाथ अच्छी तरह धोएं।
3. खांसते या छींकते वक्त अपना मुंह ढंका लें।
4. हाथ साफ नहीं हो तो आंखों, नाक और मुंह को छूने बचें।

कोरोना का संक्रमण फैलने के उपाय

1. सार्वजनिक वाहन जैसे बस, ट्रेन, ऑटो या टैक्सी से यात्रा न करें।
2. घर में मेहमान न बुलाएं।
3. घर का सामान किसी और से मंगाएं।
4. ऑफिस, स्कूल या सार्वजनिक जगहों पर न जाएं।
5. अगर आप और भी लोगों के साथ रह रहे हैं, तो ज्यादा सतर्कता बरतें।
6. अलग कमरे में रहें और साझा रसोई व बाथरूम को लगातार साफ करें।
7. 14 दिनों तक ऐसा करते रहें ताकि संक्रमण का खतरा कम हो सके।
8. अगर आप संक्रमित इलाके से आए हैं या किसी संक्रमित व्यक्ति के संपर्क में रहे हैं तो आपको अकेले रहने की सलाह दी जा सकती है। अतः घर पर रहें।

निष्कर्ष

कोरोना वायरस के प्रकोप को रोकने के लिए इस संक्रमण से मुक्ति के लिए भारत के प्रधानमंत्री ने लॉकडाउन की घोषणा की थी, क्योंकि सामाजिक दूरी ही कोरोना को रोकने के लिए कारगर उपाय है। यही कारण है कि लॉकडाउन को बढ़ाया जा रहा था। इसलिए हम सभी की जिम्मेदारी है कि हम इस निर्णय का पूर्ण समर्थन करते हुए हम लॉकडाउन का पूरा पालन करें और इस वायरस को जड़ से मिटा दें। सरकार द्वारा दिए गए निर्देशों का पूरी ईमानदारी के साथ पालन करना ही हमारा कर्तव्य है, तभी इस महामारी को खत्म किया जा सकता है।

लगभग 18 साल पहले सार्स वायरस से भी ऐसा ही खतरा बना था। 2002-03 में सार्स की वजह से पूरी दुनिया में 700 से ज्यादा लोगों की मौत हुई थी। पूरी दुनिया में हजारों लोग इससे संक्रमित हुए थे। इसका असर आर्थिक गतिविधियों पर भी पड़ा था। कोरोना वायरस के बारे में अभी तक इस तरह के कोई प्रमाण नहीं मिले हैं कि कोरोना वायरस पार्सल, चिड़ियों या खाने के जरिए फैलता है। कोरोना वायरस जैसे वायरस शरीर के बाहर बहुत ज्यादा समय तक जिंदा नहीं रह सकते। कोरोना वायरस को लेकर लोगों में एक अलग ही बेचैनी देखने को मिली है। मेडिकल स्टोर्स में मास्क और सैनेटाइजर की कमी हो गई है, क्योंकि लोग तेजी से इन्हें खरीदने के लिए दौड़ रहे हैं।

विश्व स्वास्थ्य संगठन, पब्लिक हेल्थ इंग्लैंड और नेशनल हेल्थ सर्विस (एनएचएस) से प्राप्त सूचना के आधार पर कोरोना वायरस से बचाव के तरीके बताये गए हैं। एयरपोर्ट पर यात्रियों की स्क्रीनिंग हो या फिर लैब में लोगों की जांच, सरकार ने कोरोना वायरस से निपटने के लिए कई तरह की तैयारी की है। इसके अलावा किसी भी तरह की अफवाह से बचने, खुद की सुरक्षा के लिए कुछ निर्देश जारी किए हैं जिससे कि कोरोना वायरस से निपटा जा सकता है।

संदर्भ ग्रंथ सूची

1. hindi.webdunia.com
2. bbc.com
3. india.com
4. hi.wikipedia.org
5. m.economictimes.com
6. hindi-essay.com